PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 052
दि. 21.06.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पश्चिम बंग दिवस पर पीएम मोदी का कांग्रेस पर जोरदार हमला, बोले - 'बंगाल को पाकिस्तान में मिलाने की...'

मोदी बोले-बंगाल को पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की कोशिश हुई:मजहबी एजेंडा चलाया गया, घुसपैठियों का अड्डा बनने दिया; अब कानून का राज

पीएम मोदी शनिवार को पश्चिम बंगाल के तारकेश्वर में पश्चिमबंग दिवस समारोह में शामिल हुए।

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल के हुगली में में पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि जब पूरे बंगाल को पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की कोशिश हुई तो कांग्रेस उन षडयंत्रकारियों के सामने घुटने टेके पड़ी थी। बंगाल की आवाज को मजहबी एजेंडों से दबाया जा रहा था तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने प्रस्ताव पास कराया और घोषणा की कि पूरा बंगाल पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनेगा।

प्रधानमंत्री बंगाल में भाजपा की जीत के 47 दिन बाद बंगाल पहुंचे थे। इस दौरान मोदी ने कहा- जो बंगाल भारत के विकास का नेतृत्व कर सकता तो वो बंगाल पिछड़ता चला गया। बंगाल की धरती पर विदेशी विचारधारा सौंपी गई। पहले कांग्रेस, लेफ्ट और फिर टीएमसी ने बंगाल को अवैध घुसपैठियों का अड्डा बनने दिया।

पीएम ने कहा कि अब राज्य में कानून का राज स्थापित करने और विकास को गति देने के लिए केंद्र सरकार लगातार काम कर रही है। पश्चिम बंगाल के हुगली में पीएम नरेंद्र मोदी ने कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

विधानसभा चुनाव जीतने के बाद यह उनका पहला दौरा है। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (PM-KISAN) की 23वीं किस्त जारी की और राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) की शुरूआत की।

पीएम की 5 बड़ी बातेंङ्ख

बंगाल बंधनों से मुक्त हुआ, गौरव की वापसी शुरूः चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में नया माहौल बना है और राज्य विकास की नई यात्रा पर आगे बढ़ रहा है। बंगाल में लोगों के चेहरों पर खुशी और भरोसा दिख रहा है, जो लोकतंत्र और वोट की ताकत का प्रमाण है।

चुनावी गारंटी पूरी, बंगाल के गरीबों को आयुष्मान भारत का लाभः चुनाव के दौरान उन्होंने आयुष्मान भारत योजना लागू करने की गारंटी दी थी। अब यह सुनिश्चित किया गया है कि पश्चिम बंगाल के हर गरीब को योजना का लाभ मिले। महिलाओं को अन्नपूर्णा योजना के तहत भी सीधे लाभ मिलना शुरू हो गया है।

विकसित भारत की नींव पूर्वी भारत का विकासः भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। इसके लिए पूर्वी भारत के विकास को सबसे अहम मानते हुए केंद्र सरकार मिशन पूर्वोदय के तहत क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को गति दे रही है।

जर्जर इंफ्रास्ट्रक्चर से तेज विकास की ओर बढ़ रहा बंगालः कभी खराब सड़कों और जर्जर बुनियादी ढांचे से जूझने वाला बंगाल अब तेजी से विकास कर रहा है। उन्होंने कोलकाता मेट्रो की ऑरेंज लाइन के चिंगरीघाटा क्रॉसिंग का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्षों से अटका काम अब पूरा हो चुका है और लंबित परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

नई सरकार बनने के बाद सीमा बाड़बंदी का काम शुरू हुआः पिछली सरकारों ने दशकों तक भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी के लिए जमीन हस्तांतरण का काम रोक रखा था। नई सरकार बनने के बाद इस

प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया और सीमा सुरक्षा से जुड़े लंबित कार्यों को पूरा करने की शुरूआत हुई।

मोदी ने बंगाल में किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी की

PM मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी की। इसके तहत देशभर के 9.44 करोड़ से ज्यादा किसानों के खातों में ₹18,880 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। अकेले बंगाल में, 45 लाख से ज्यादा लाभार्थियों के खातों में 900 करोड़ रुपए जमा किए गए।

इसके अलावा पीएम ने हावड़ा के संकरैल-संतरागाछी लिंक लाइन प्रोजेक्ट लॉन्च किया। 300 बेड वाले नए रेलवे अस्पताल की आधारशिला रखी और पूर्व मेदिनीपुर में हौर-राधामोहनपुर रोड ओवर ब्रिज परियोजना का शिलान्यास किया।

पीएम ने ओडिशा में ₹47600 करोड़ के प्रोजेक्ट्स लॉन्च किए

पीएम मोदी के साथ कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी मौजूद रहे।

पीएम मोदी के साथ कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी मौजूद रहे।

पीएम मोदी ओडिशा में इखढ सरकार के दो साल पूरे होने पर आयोजित 'विकास रा धारा, ओडिशा सारा' कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्य के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में उन्होंने करीब ₹47 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी मौजूद रहे।

'विकास रा धारा, ओडिशा सारा': पीएम मोदी ने कहा- राष्ट्रपति मुर्मू के मार्गदर्शन का ही परिणाम है पीएम-जनमन अभियान

(जीएनएस)।

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रायरंगपुर में आयोजित 'विकास रा धारा, ओडिशा सारा' कार्यक्रम में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने राज्य की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। कार्यक्रम में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पीएम-जनमन अभियान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के मार्गदर्शन और उनसे हुई चचाओं का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह अभियान उन विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए शुरू किया गया है, जो जनजातीय समुदायों के भीतर भी विकास की मुख्यधारा से पीछे रह गए थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार अब स्वयं चलकर ऐसे जनजातीय समुदायों के घर तक पहुंच रही है। आदिवासी युवाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसरों से जोड़ा जा रहा

है। देश में करीब 500 एकलव्य मॉडल स्कूल खोले गए हैं।

उन्होंने डबल इंजन सरकार की कार्यशैली का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि सरकार खुद जनता तक पहुंचती है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि सामान्य नागरिक को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि आज का अवसर इसलिए भी विशेष है क्योंकि मयूरभंज की धरती पर पली-बढ़ी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हमारे बीच उपस्थित हैं। आज उनका जन्मदिन भी है। ओडिशा की बेटी आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुंची है और पूरे देश का मार्गदर्शन कर रही है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है।

ओडिशा की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने राज्य की जनता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ओडिशा की जनता को डबल इंजन सरकार में विकास यात्रा की बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। राज्य सरकार पिछले दो वर्षों में महान विभूतियों के सपनों को साकार करने के लिए दिन-रात कार्य कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ को लेकर घिरे शशि थरूर, कांग्रेस ने कहा- जो कहा ही नहीं वह भी सुन लिया

'मैंने कुछ गलत नहीं सुना', पवन खेड़ा के तंज पर बोले शशि थरूर; पीएम मोदी की जमकर की थी तारीफ

नई दिल्ली, कांग्रेस सांसद शशि थरूर द्वारा पीएम मोदी की तारीफ किए जाने को लेकर पार्टी में ही घमासान छिड़ है। पवन खेड़ा ने कटाक्ष करते हुए कहा 'पीएम मोदी के प्रति शशि थरूर की तारीफ अब भौतिक दुनिया की सीमाओं से भी आगे निकल गई है और वह अब वह बातें भी सुन लेते हैं जो पीएम ने कही ही नहीं।' शशि थरूर ने पलटवार करते हुए कहा सोशल मीडिया पर एक न्यूज वीडियो शेयर किया और कहा, मैं प्रकाशित रिपोर्टों का जिक्र कर रहा था। इसके बाद थरूर ने सोशल मीडिया पर लिखा,'जो लोग यह मानते हैं कि मैंने पीएम के ऐसे शब्द सुन लिए जो उन्होंने कभी कहे ही नहीं, उन्हें यह समझना चाहिए कि मैं केवल व्यापक रूप से प्रकाशित रिपोर्टों का जिक्र कर रहा था।'

(जीएनएस)।

कांग्रेस और शशि थरूर के बीच एक नया विवाद शुरू हो गया है. कांग्रेस ने थरूर पर तंज कसा है कि पीएम नरेंद्र मोदी के लिए उनका "प्यार" अब इतना बढ़ गया है कि वो वो बातें भी सुन लेते हैं जो पीएम मोदी ने कभी कही ही नहीं. ये पूरा मामला भारतीय नाविकों की सुरक्षा से जुड़े एक बयान को लेकर शुरू हुआ है.

शशि थरूर ने कहा था कि पीएम मोदी ने अपनी पब्लिक और प्राइवेट बातचीत दोनों में भारतीय नागरिक नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया था. थरूर के मुताबिक पीएम मोदी का कहना था कि युद्ध के समय कमर्शियल जहाजों पर काम करने वाले सिविलियन नाविकों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए.

थरूर ने कहा था, 'ये बताना जरूरी है कि युद्ध के समय कमर्शियल जहाजों पर मौजूद सिविलियन नाविक

लड़ाई के निशाने पर नहीं होने चाहिए. वो सैनिक नहीं हैं, और यही बात पीएम मोदी ने कही.'

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने थरूर के इस बयान पर तंज कसते हुए कहा कि उनके सीनियर साथी डॉक्टर शशि थरूर का पीएम मोदी के लिए प्यार अब इस दुनिया की सीमाओं से भी आगे निकल गया है. खेड़ा ने कहा कि थरूर अब वो बातें भी सुन सकते हैं जो पीएम मोदी कहते ही नहीं.

खेड़ा ने इसके पीछे एक तर्क भी दिया. उनका कहना था कि विदेश मंत्रालय ने जी7 समिट के दौरान मोदी और ट्रंप की मुलाकात का जो ऑफिशियल रीडआउट जारी किया था, उसमें ओमान की खाड़ी में तीन भारतीय नाविकों की अमेरिका द्वारा की गई 'हत्या' का कोई जिक्र नहीं था.

खेड़ा ने यह भी कहा कि ये ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी और ट्रंप की पहली मुलाकात थी, लेकिन रीडआउट में ऐसा कुछ नहीं था जिससे ये पता चले कि मोदी ने ट्रंप के उस दावे को चैलेंज किया हो, जिसमें ट्रंप 120 से ज्यादा बार कह चुके हैं कि उन्होंने भारत को ट्रेड में नुकसान की धमकी देकर सीजफायर कराया था.

मोदी सरकार की विदेश नीति 'भारत- प्रथम' नहीं, 'पीआर-प्रथम' है: कांग्रेस

'ट्रंप के सामने क्यों नहीं उठाया नाविकों की मौत का मुद्दा?' कांग्रेस बोली- मेलोनी से ही जवाब देना सीख लीजिए मोदी जी

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि ऋ्र समिट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के दौरान उन्होंने भारतीय नाविकों की मौत, ट्रेड डील और ऑपरेशन सिंदूर सीजफायर दावे जैसे अहम मुद्दे नहीं उठाए। खेड़ा ने कहा कि मोदी को इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से आंख में आंख डालकर जवाब देना सीखना चाहिए।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हाल में ही हुई मुलाकात को लेकर कांग्रेस नरेंद्र मोदी पर हमलावर है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऋ्र समिट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक के दौरान भारतीय नाविकों की मौत, एकतरफा अमेरिकी ट्रेड डील और ट्रंप के 'ऑपरेशन सिंदूर' सीजफायर वाले दावे के मुद्दे को उठाने में नाकाम रहे। उन्होंने कहा, पीएम मोदी को इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी से जवाब देना सीखना चाहिए।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि 'नरेंद्र मोदी, इंदिरा गांधी से नहीं सीखना चाहते तो कम से कम इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से ही सीख लीजिए कि आंख में आंख मिलाकर जवाब कैसे दिया जाता है।'

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह भी कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर को स्पष्ट बयान देना चाहिए कि अमेरिकी हमले में मारे गए तीन भारतीय नाविकों के मामले में प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने असल में क्या बात रखी?

खेड़ा ने आगे कहा, '12 वर्षों में मोदी सरकार की विदेश नीति भारत-प्रथम के बजाय विनाशकारी रूप से पीआर-प्रथम रही है। रणनीतिक महत्व के मामलों में अमेरिका को खुश करने के लिए अपनी संप्रभुता से समझौता करना, राष्ट्रीय हितों को दांव पर लगाना और हद से ज्यादा झुकना, यही प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति का सार है।' उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी को ट्रंप द्वारा बार-बार नजरअंदाज किया जाना केवल उनका अपमान नहीं है, यह 140 करोड़ भारतीयों के लिए भी शर्मनाक है।

खेड़ा ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने हमारे महान देश की बुनियादी गरिमा को अपने करीबी दोस्त डोनाल्ड ट्रंप की मनमर्जी के आगे सौंप दिया है।

उन्होंने कहा, 'कड़वी सच्चाई यह है कि ओमान की खाड़ी में अमेरिकी हवाई हमले में तीन भारतीय नाविक मारे गए, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार ने न तो ट्रंप प्रशासन से बिना शर्त माफी की मांग की और न ही अफसोस जाहिर करने की कोई मामूली कोशिश ही की।

इसके उलट, केंद्रीय मंत्रियों, आईटी सेल और बीजेपी के चुनिंदा मीडिया समूहों ने मोदी जी की एक तस्वीर फैलाई, जिसमें दावा किया गया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने नाविकों का मुद्दा उठाया।'

'ट्रंप को कोई अफसोस, पछतावा नहीं'

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने दावा किया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कोई अफसोस, कोई पछतावा, कोई माफी या कोई संवेदनशील बयान नहीं दिया, बल्कि यह कहा कि ऐसी चीजें तो हमेशा से होती रही हैं। खेड़ा ने यह दावा भी किया, 'उनके करीबी दोस्त जो भी कहते हैं, मोदी जी वही करते हैं, जिससे भारत की साख को नुकसान पहुंचता है। ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री की तारीफ करना बेमतलब है। मोदी जी की चुप्पी ही असल सच्चाई है।'

कांग्रेस नेता ने सवाल किया, 'क्या विदेश मंत्री इस बारे में कोई स्पष्ट बयान देंगे कि ओमान की खाड़ी में अमेरिकी हमले में मारे गए तीन भारतीय नाविकों के मामले में प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने असल में क्या बात रखी?

पश्चिम बंगाल दिवस पर पीएम मोदी का बड़ा संदेश, बोले- बंगाल में विकास और सुशासन का नया दौर शुरू

पश्चिम बंगाल दिवस पर पीएम मोदी का बड़ा संदेश, बोले- बंगाल में विकास और सुशासन का नया दौर शुरू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के तारकेश्वर में आयोजित पश्चिम बंगाल दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में राजनीतिक परिवर्तन के बाद विकास और सुशासन का नया अध्याय शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि बंगाल के लोगों के चेहरों पर दिख रही खुशी और विश्वास यह संकेत दे रहे हैं कि राज्य अब नए भविष्य के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता के एक वोट ने बड़ा बदलाव संभव किया है और अब विकास परियोजनाओं के माध्यम से उसका असर दिखाई देने लगा है।

प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल दिवस को राज्य के इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए कहा कि यह केवल एक तारीख नहीं, बल्कि उन संघर्षों और बलिदानों की याद दिलाने वाला दिन है, जिनके कारण पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा बना रहा। उन्होंने कहा कि आजादी के समय बंगाल की अस्मिता और पहचान को बचाने के लिए अनेक लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब पूरे बंगाल को पाकिस्तान का हिस्सा बनाए जाने की कोशिशें हो रही थीं, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने उसके खिलाफ आवाज उठाई और बंगाल को बचाने के लिए व्यापक जन-आंदोलन खड़ा किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक मेघनाद साहा, इतिहासकार आर.सी. मजूमदार, जदुनाथ सरकार और अन्य कई बुद्धिजीवियों ने भी इस आंदोलन में योगदान दिया था। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि बाद के वर्षों में राजनीतिक कारणों से इस इतिहास को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस, वामपंथी दलों और तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि दशकों तक राज्य में कुशासन और तुष्टीकरण की राजनीति के कारण विकास बाधित रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि उद्योगों का पलायन हुआ, रोजगार के अवसर घटे और अवैध घुसपैठ की समस्या बढ़ी। प्रधानमंत्री ने कहा कि नई सरकार पारदर्शी प्रशासन और कानून के शासन को प्राथमिकता दे रही है।

विकास परियोजनाओं और किसान योजनाओं का जिक्र

प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य में रेल, सड़क, कृषि और मत्स्य पालन से जुड़ी सैकड़ों करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है। उन्होंने बताया कि पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त के तहत देशभर के 9 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में लगभग 19 हजार करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए हैं। साथ ही पश्चिम बंगाल में पीएम फसल बीमा योजना शुरू किए जाने की भी घोषणा की गई।

मालवा से होगा विकसित मध्यप्रदेश का सूर्योदय, 6 जिलों के 2781 गांवों की बदलेगी तस्वीर, मिलेगा सवा करोड़ लोगों को फायदा

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश मालवा क्षेत्र के लिए यूआईएमआर महानगरीय मॉडल लॉन्च करता है, जो इंदौर और छह जिलों को 2781 गांवों से जोड़ता है। योजना का लक्ष्य प्रमुख आर्थिक केंद्रों तक 60 मिनट की पहुंच, एक ब्लू-ग्रीन विकास नीति, और एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र की ओर बदलाव है, साथ ही डेटा-संचालित शासन के माध्यम से पर्यटन और शहरी नियोजन को बढ़ावा देना है।

मध्यप्रदेश सरकार ने 'विकसित भारत @2047' के विजन को गति देने के लिए मालवा क्षेत्र में एक महत्वाकांक्षी विकास मॉडल तैयार किया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में तैयार की गई UIMR (अर्बन इंटीग्रेटेड मेट्रोपॉलिटन रीजन) योजना अब प्रदेश की प्रगति का नया प्रवेश द्वार बनने जा रही है। इस योजना के तहत इंदौर समेत 6 जिलों, 38 तहसीलों और 2781 गांवों को एकीकृत विकास मॉडल से जोड़ा जाएगा।

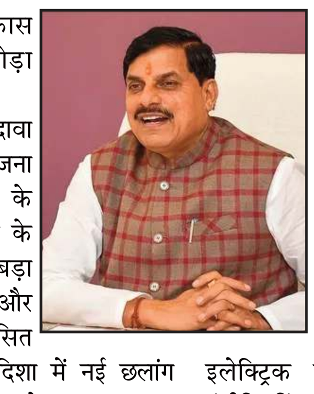

सरकार का दावा है कि इस परियोजना से मालवा क्षेत्र के सवा करोड़ लोगों के जीवन स्तर में बड़ा बदलाव आएगा और मध्यप्रदेश विकसित राज्य बनने की दिशा में नई छलांग लगाएगा। वक्टफ क्षेत्र का दायरा बढ़ाकर अब 16 हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक कर दिया गया है, जिसमें इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, रतलाम और शाजापुर जिले शामिल हैं।

प्रदेश सरकार मालवा क्षेत्र को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए 13,500 हेक्टेयर से अधिक भूमि बैंक और 14 नए औद्योगिक पार्क प्रस्तावित किए गए हैं। अनुमान है कि इस औद्योगिक विस्तार से करीब 5 लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा।

पीथमपुर को इलेक्ट्रिक व्हीकल और एडवांस इंजीनियरिंग हब के रूप में विकसित किया जाएगा, जबकि उज्जैन की विक्रम उद्योगपुरी को 'एंकर सिटी' बनाया जाएगा। रतलाम को लॉजिस्टिक्स और एक्सपोर्ट हब के तौर पर नई पहचान देने की योजना है।

60 मिनट एक्सेस मॉडल पर होगा विकास

इस परियोजना की सबसे बड़ी खासियत '60 मिनट एक्सेस' विजन है। सरकार का लक्ष्य है कि पूरे 16 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में किसी भी प्रमुख आर्थिक केंद्र तक अधिकतम एक घंटे में पहुंच सुनिश्चित की जाए।

इसके लिए इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, इंदौर-भोपाल एक्सप्रेसवे और उज्जैन-इंदौर मेट्रो विस्तार जैसे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू हो चुका है। यह क्षेत्र सीधे दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (DMIC) से भी जुड़ जाएगा, जिससे उद्योगों और निर्यात गतिविधियों को बड़ा लाभ मिलेगा।

सम्पादकीय

झारखंड में क्रास वोटिंग क प्रभाव निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी ने जीत दर्ज कर ली।

भारतीय राजनीति में व्रॉस वोटिग कोई नई घटना नहीं है, लेकिन जब यह सत्ता और विपक्ष दोनों को एक साथ झटका दे, तो मामला सामान्य नहीं रह जाता। जून 2026 के चुनावी घटनाव्रम ने यही दिखाया। झारखंड के राज्यसभा चुनाव और कर्नाटक विधान परिषद चुनाव में हुई कथित व्रॉस वोटिग ने राजनीतिक दलों को यह याद दिला दिया कि संख्या बल जितना महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण है अपने विधायकों की निष्ठा। झारखंड में तस्वीर सबसे ज्यादा चौंकाने वाली रही। विधानसभा के गणित के आधार पर कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार प्रणव झा को मजबूत माना जा रहा था।

लेकिन नतीजे आने पर एनडीए समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी ने जीत दर्ज कर ली। इसके बाद कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। सवाल उठने लगा कि आखिर वोट कहां गए और किसने पाला बदल लिया।

राजनीति में हार अक्सर विरोधी दल की ताकत से कम और अपने घर की कमजोरी से ज्यादा होती है। झारखंड में भी यही चर्चा छिड़ गई।

कांग्रेस ने सहयोगी दलों की ओर इशारा किया, जबकि राजद नेताओं ने पलटवार करते हुए दावा किया कि उनके सभी विधायकों ने गठबंधन उम्मीदवार को ही वोट दिया। चुनाव समाप्त होते-होते यह लड़ाई विपक्ष बनाम भाजपा से ज्यादा विपक्ष बनाम विपक्ष में बदल गई।

दिलचस्प बात यह है कि व्रॉस वोटिग का झटका केवल विपक्ष को नहीं लगा। दक्षिण भारत के राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य कर्नाटक में भी ऐसा ही दृश्य देखने को मिला। वहां विधान परिषद की सात सीटों के चुनाव में कांग्रेस ने पांच सीटें जीत लीं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह सफलता केवल उसके संख्याबल का परिणाम नहीं थी, बल्कि विपक्षी खेमे में हुई कथित व्रॉस वोटिग ने भी इसमें भूमिका निभाई।

कर्नाटक में परिणाम आने के बाद भाजपा नेतृत्व की नाराजगी खुलकर सामने आई। रिपोर्टों के अनुसार पाटा के शीर्ष नेतृत्व ने राज्य इकाई के प्रमुख नेताओं को दिल्ली तलब किया और यह जानने की कोशिश की कि आखिर अनुशासन के लिए जानी जाने वाली पाटा में ऐसी स्थिति क्यों बनी।

यह घटनाव्रम बताता है कि राजनीतिक दल चाहे कितना भी मजबूत क्यों न दिखे, आंतरिक असंतोष चुनावी नतीजों को पलट सकता है।

व्रॉस वोटिग का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यही है कि विधानसभा में मौजूद संख्याएं हमेशा अंतिम सत्य नहीं होतीं। लोकतंत्र में मतदान की गोपनीयता और व्यक्तिगत राजनीतिक समीकरण कई बार पाटा लाइन से अलग परिणाम पैदा कर देते हैं। राज्यसभा चुनावों में तो स्थिति और भी रोचक होती है क्योंकि इन चुनावों में विधायकों की भूमिका निर्णायक होती है और दलों को लगातार अपने विधायकों को एकजुट रखना पड़ता है। झारखंड और कर्नाटक की घटनाओं ने यह भी साबित किया कि राजनीति केवल गठबंधन बनाने का नाम नहीं है, बल्कि गठबंधन को संभालकर रखने की कला भी है। यदि सहयोगी दलों के बीच भरोसा कमजोर हो जाए या विधायकों में असंतोष पनपने लगे, तो सबसे मजबूत दिखने वाला चुनावी गणित भी धराशायी हो सकता है। इन दोनों राज्यों के नतीजों ने आने वाले महीनों के लिए एक बड़ा संकेत दिया है। चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, केवल संख्या गिनना पर्याप्त नहीं है। असली चुनौती उन संख्याओं को मतदान के दिन तक साथ बनाए रखने की है। झारखंड में विपक्ष को यह सबक मिला, तो कर्नाटक में भाजपा को आत्ममंथन करना पड़ा। लोकतंत्र की यही खूबसूरती है- कभी-कभी एक वोट केवल उम्मीदवार नहीं, पूरी राजनीतिक कहानी बदल देता है। फिलहाल इतना तय है कि 2026 की यह व्रॉस वोटिग केवल चुनावी घटना नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों के लिए चेतावनी भी है। सत्ता के गलियारों में अब एक नया सवाल गूंज रहा है-विधायक किसके साथ खड़े हैं, यह मंच पर नहीं बल्कि मतपेटी में पता चलता है।

'ईरान को अब फूटी कौड़ी भी नहीं मिलेगी', अमेरिका-ईरान समझौते के बाद खामेनेई पर क्यों भड़के ट्रंप

(जीएनएस)।

अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में संपन्न हुए एक महत्वपूर्ण समझौते के बावजूद, दोनों देशों के बीच का कूटनीतिक तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इस समझौते पर साइन होने के तुरंत बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के शीर्ष नेता मोजतबा खामेनेई पर भड़क उठे हैं।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर सिलसिलेवार पोस्ट साझा कर ईरान को लेकर कड़ा रुख अपनाया है और अपने राजनीतिक विरोधियों की सभी आलोचनाओं को सिरे से खारिज कर दिया है। दोनों देशों के बीच हुई डील अब इस बात पर केंद्रित हो गया है कि दोनों में से कौन सा देश इस कूटनीतिक बातचीत के लिए अधिक लाचार और बेताब था।

ट्रंप का दावा- सैन्य और आर्थिक रूप से ईरान हुआ तबाह

ट्रंप ने ईरान ने दावा किया कि इस संघर्ष ने अमेरिकी सेना ने ईरान की सैन्य शक्ति को पूरी तरह से खत्‍ म कर दिया है। ट्रंप के अनुसार, अब ईरान के पास व्यावहारिक रूप से न तो कोई एंटी-एयरक्राफ्ट इक्विपमेंट, और एयरफोर्स बची है और ना ही कोई नेवी की सेना। सैन्य मोर्चे पर ईरान अब एक असहाय राष्ट्र की तरह खड़ा है।

'समझौते के लिए मैं नहीं ईरान बेताब था'

अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे दावा किया कि ईरान के अत्यंत महत्वपूर्ण सैन्य ठिकाने, रडार सिस्टम और एंटी-एयरक्राफ्ट उपकरण अब पूरी तरह से नष्ट हो चुके हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि ईरान अपनी सीमाओं की रक्षा करने की स्थिति में भी नहीं बचा है और उसकी यह लाचारी ही उसे अमेरिकी शर्तों पर समझौते के लिए बातचीत की मेज पर खींच लाई है।

ट्रंप बोले- ईरान को एक फूटी कौड़ी भी नहीं मिलेगी

इसके साथ ही ट्रंप ने चेतावनी दी कि इस समझौते के तहत अमेरिका की ओर से ईरान को किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता या आर्थिक राहत नहीं दी जाएगी। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि ईरान को अमेरिका से एक फूटी कौड़ी या दस सेंट भी हासिल नहीं होने वाले हैं, जिससे ईरान को वित्तीय रूप से कोई मजबूती मिल सके।

अमेरिका ने ईरान की बहाली के लिए समझौते में किया था ये वादा

गौरतलब है कि समझौते के तहत ईरान के आर्थिक विकास और

पुनर्निर्माण के लिए कम से कम 300 अरब डॉलर के निवेश का ' लानिंग। अमेरिका ये धनराशि सीधे तौर पर नहीं देगा। इसके बजाय वह अन्य देशों, कंपनियों और निवेशकों को ईरान में निवेश और परियोजनाओं के लिए आवश्यक मंजूरी तथा समर्थन उपलब्ध कराएगा। इस योजना का उद्देश्य ईरान की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और पुनर्निर्माण कार्यों को गति देना है।

मोजतबा खामेनेई का पलटवार: डील के लिए ट्रंप थे बेताब

दूसरी तरफ, ईरान के सुप्रीम नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिकी दावों को खारिज करते हुए बिल्कुल विपरीत रुख अपनाया है। खामेनेई ने ट्रंप पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति इस समझौते को हासिल करने के लिए स्वयं बेहद बेचैन थे और उन्होंने इसके लिए कई तरह की कूटनीतिक चालबाजियों और पैंतरेबाजी का इस्तेमाल किया था।

आखिर क्यों खामनेई पर भड़के ट्रंप?

दरअसल, समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद देश की जनता को संबोधित करते हुए मोजतबा खामेनेई ने खुलासा किया कि वैचारिक और कूटनीतिक तौर पर वह शुरू में इस संधि के सख्त खिलाफ थे। उनके मन में इस समझौते को लेकर कई गंभीर आशंकाएं थीं और वे अमेरिका की नीयत पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं कर पा रहे थे।

हालांकि, ईरान के वर्तमान राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लंबी बातचीत के बाद उन्होंने इसे अंतिम मंजूरी दी। ईरानी सुरक्षा परिषद ने सर्वोच्च नेता को आश्वस्त किया था कि इस नए समझौते से देश की संप्रभुता और मिडिल ईस्ट में ईरान के रणनीतिक हितों पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ईरानी नेतृत्व ने इस बात पर सबसे अधिक जोर दिया है कि देश के साथ-साथ इस क्षेत्र में सक्रिय ईरान समर्थित 'रेजिस्टेंस फ्रंट' के हितों से किसी भी कीमत पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस सामूहिक आश्वासन के प्राप्त होने के बाद ही मोजतबा खामेनेई ने समझौते के प्रारूप पर आगे बढ़ने की अनुमति प्रदान की थी।

क्या फिर छिड़ेगी जंग?

विशेषज्ञों के अनुसार कागजों पर समझौते के बाद भी दोनों देशों के राष्ट्र प्रमुखों का यह आक्रामक रवैया वास्तविक शांति में बड़ी बाधा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जहां इसे ईरान का पूर्ण आत्मसमर्पण करार दे रहे हैं, वहीं तेहरान इस समझौते को अमेरिकी कूटनीति पर अपनी एक बड़ी रणनीतिक जीत के रूप में देख रहा है।

इस अविश्वास के चलते अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंताएं भी बढ़ गई हैं, क्योंकि युद्ध विराम या समझौते के बाद की स्थिति अक्सर नाजुक होती है। आने वाले दिनों में यह देखना बेहद अहम होगा कि यह समझौता दोनों देशों के बीच जमीनी स्तर पर शांति स्थापित कर पाता है या नहीं। यदि अमेरिका की ओर से कड़े प्रतिबंधों में ढील नहीं दी गई और ईरान का परमाणु कार्यक्रम या क्षेत्रीय दखल जारी रहा, तो यह समझौता भी केवल एक अस्थाई विराम बनकर रह जाएगा।

कतर ने ट्रंप को क्यों गिफ्ट किया 3700 करोड़ रुपये का प्लेन? अमेरिका में छिड़ी कानूनी जंग

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नए अस्थायी एयर फोर्स वन का उद्घाटन कर दिया है। यह लग्जरी बोइंग 747-800 विमान कतर की तरफ से अमेरिका को गिफ्ट किया गया है, जिसकी कीमत करीब 400 मिलियन डॉलर यानी लगभग 37 अरब रुपये बताई जा रही है। विमान को राष्ट्रपति के इस्तेमाल के लिए मॉडिफाई किया गया है और इसे VC-25B नाम दिया गया है।

इस गिफ्ट को लेकर अमेरिका में राजनीतिक और कानूनी बहस भी छिड़ गई है। समर्थक इसे अमेरिका के लिए फायदा बता रहे हैं, जबकि आलोचक विदेशी सरकार से इतने महंगे गिफ्ट पर सवाल उठा रहे हैं।

कतर और अमेरिका लंबे समय से रणनीतिक साझेदार रहे हैं। मध्य पूर्व में अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा कतर में मौजूद है और दोनों देशों के बीच रक्षा, ऊर्जा और सुरक्षा सहयोग लगातार बढ़ा है। ऐसे में कतर की तरफ से दिया गया यह विमान दोनों देशों की मजबूत साझेदारी का प्रतीक माना जा रहा है। ट्रंप ने भी कतर के अमीर की तारीफ करते हुए उनका धन्यवाद किया। जानकारों का मानना है कि यह गिफ्ट अमेरिका-कतर रिश्तों को और मजबूत बनाने की कोशिश का हिस्सा है।

आखिर क्या खास है नए VC-25B एयर फोर्स वन में?

VC-25B को दुनिया के सबसे शानदार और आधुनिक विमानों में गिना जा रहा है। इसमें लग्जरी लेदर सीटें, प्रीमियम कारपेट, वुडन पैनलिंग और गोल्डन इंटीरियर दिया गया है। विमान में हाई-लेवल सिक्योरिटी सिस्टम, एडवांस कम्युनिकेशन नेटवर्क और राष्ट्रपति के लिए विशेष सुविधाएं मौजूद हैं। ट्रंप का दावा है कि यह विमान मौजूदा एयर फोर्स वन की तुलना में ज्यादा तेज उड़ सकता है और लंबी दूरी तय करने में सक्षम है। इसकी डिजाइन भी इसे बेहद खास बनाती है।

गिफ्ट पर अमेरिका में क्यों मचा है विवाद?

विमान मिलने के बाद अमेरिका में बड़ा राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। आलोचकों का कहना है कि अमेरिकी नियमों के तहत किसी अधिकारी को महंगे गिफ्ट स्वीकार करने पर कई तरह की सीमाएं होती हैं। विपक्षी नेताओं का आरोप है कि विदेशी सरकार से इतना बड़ा गिफ्ट लेना नैतिक सवाल खड़े करता है। कुछ रिपब्लिकन नेताओं ने भी चिंता जताई है। हालांकि ट्रंप ने कहा कि इतना बड़ा ऑफर ठुकराना समझदारी नहीं होती और सरकार ने सभी नियमों का पालन किया है।

ये भी पढें: ळ१४ेस्र टी'ङ्कल्र ऊ्रस्र४३ी: 'हम किसी से भीख नहीं मांगते', ट्रंप पर क्यों भड़कीं जॉर्जिया मेलोनी, अमेरिका दौरा रद्द

एयर फोर्स वन बनाने में कितना खर्च आएगा?

हालांकि विमान कतर ने गिफ्ट किया है, लेकिन इसे राष्ट्रपति के इस्तेमाल के लिए पूरी तरह तैयार करने में भारी खर्च होगा। सुरक्षा एजेंसियों ने विमान की गहन जांच की और उसमें विशेष सैन्य तकनीक लगाई है। सुरक्षित कम्युनिकेशन सिस्टम, मिसाइल डिफेंस क्षमता और कई गोपनीय उपकरण जोड़े गए हैं। रक्षा विभाग के अनुसार इस प्रक्रिया पर सैकड़ों मिलियन डॉलर खर्च होंगे। कुछ रिपोर्टों में यह लागत 1 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान भी जताया गया है।

पुराने एयर फोर्स वन की जगह क्यों ले रहा है नया विमान?

अमेरिकी राष्ट्रपति जिस श्उ-25अ विमान का इस्तेमाल कर रहे थे, वह 1990 से सेवा में था। पिछले कुछ वर्षों में उसकी उम्र और तकनीकी चुनौतियों को लेकर सवाल उठते रहे हैं। हाल ही में एक तकनीकी समस्या के कारण विमान को उड़ान के दौरान वापस लौटना पड़ा था। बोइंग द्वारा तैयार किए जा रहे नए आधिकारिक एयर फोर्स वन विमान 2027 और 2028 में मिलने की उम्मीद है। तब तक कतर का यह श्उ-25इ अस्थायी एयर फोर्स वन के रूप में राष्ट्रपति की सेवा करेगा।

राजस्थान रॉयल्स में जा रहे हैं हार्दिक पांड्या? तूफानी युवा खिलाड़ी को मुंबई इंडियंस में भेजने की संभावना

(जीएनएस)।

क्रिकेट के सबसे बड़े महाकुंभ यानी इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन से पहले ट्रांसफर मार्केट से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स और अंदरूनी सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच दो सबसे बड़े भारतीय स्टार खिलाड़ियों की अदला-बदली को लेकर बातचीत चल रही है।

इस संभावित मेगा ट्रेड डील के तहत मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या आईपीएल 2027 से पहले राजस्थान रॉयल्स की टीम में शामिल हो सकते हैं। इसके बदले में राजस्थान रॉयल्स के सबसे विस्फोटक और धाकड़ युवा ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पाला बदलकर आगामी सीजन में मुंबई इंडियंस की पलटन का हिस्सा बन सकते हैं।

मुंबई इंडियंस से क्यों अलग हो सकते हैं हार्दिक पांड्या?

हार्दिक पांड्या के मुंबई इंडियंस का साथ छोड़ने की चचाएं पिछले सीजन के दौरान ही काफी तेज हो गई

थीं। उनकी कप्तानी में मुंबई की टीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन करने में पूरी तरह नाकाम रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक हार्दिक को टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों और ड्रेसिंग रूम से मन मुताबिक सहयोग नहीं मिल पा रहा था।

ऐसे में नए माहौल और बेहतर मौकों की तलाश में स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्याने राजस्थान की फ्रेंचाइजी का रुख करने का मन बनाया है। राजस्थान की टीम को भी मध्यक्रम में एक अनुभवी भारतीय फिनिशर और छठे गेंदबाजी विकल्प की सख्त जरूरत है, जिसके लिए हार्दिक पांड्या उनकी योजनाओं में बिल्कुल सटीक बैठते हैं।

यशस्वी जायसवाल का राजस्थान छोड़ने का कारण

दूसरी तरफ यशस्वी जायसवाल जैसी रन-मशीन का राजस्थान रॉयल्स से अलग होना हर किसी को हैरान कर रहा है। दरअसल राजस्थान रॉयल्स की टीम मैनेजमेंट ने रियान पराग को कप्तान बनाया है है। कप्तानी की रेस में पिछड़ने के बाद यशस्वी का महत्व टीम में थोड़ा कम आंका जाने लगा है। हालांकि यशस्वी जायसवाल के पास इंटरनेशनल क्रिकेट का अनुभव पराग से काफी ज्यादा है।

इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स को वैभव सूर्यवंशी के रूप में एक और नया बेहद आक्रामक और विस्फोटक युवा ओपनर मिल चुका है। ऐसे में जायसवाल को एक ऐसी टीम की आवश्यकता है, जहां उनकी चर्चा होती रहे। राजस्थान में पूरी महफिल वैभव सूर्यवंशी ने ही लूट ली है।

5 जुलाई 2026 को 14 साल छोटी जीएफ से ऐसे शादी करेंगे आमिर खान, सामने आई वेडिंग की पूरी प्लानिंग

(जीएनएस)।

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान इन दिनों अपनी फिल्मों से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। लंबे समय से उनकी तीसरी शादी को लेकर अटकलों का दौर चल रहा था लेकिन अब एक्टर ने खुद इस पर मुहर लगा दी है। आमिर खान ने स्वीकार किया है कि वह आगामी 5 जुलाई 2026 ही अपनी नई गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। खास बात ये है कि ये शादी किसी बड़े सेलिब्रेशन की बजाय बेहद सादगी और निजी माहौल में संपन्न होगी।

शाही नहीं, सादगी भरी होगी शादी

जहां बॉलीवुड सितारों की शादियां अक्सर भव्य समारोहों और शानदार आयोजनों के लिए सुर्खियां बटोरती हैं, वहीं आमिर खान ने इस मामले में बिल्कुल अलग रास्ता चुना है। एक्टर ने बताया कि उन्होंने और गौरी स्प्रैट ने अपनी शादी को बेहद सिंपल रखने का फैसला किया है।

रजिस्टर्ड मैरिज के रूप में होगी शादी

जानकारी के मुताबिक आमिर खान और गौरी स्प्रैट की शादी घर पर ही रजिस्टर्ड मैरिज के रूप में होगी। इस खास मौके पर सिर्फ परिवार के सदस्य और कुछ बेहद करीबी दोस्त ही मौजूद रहेंगे। आमिर खान का कहना है कि वह इस नए सफर की शुरूआत बिना किसी दिखावे और शोर-शराबे के करना चाहते हैं।

निजी समारोह में शामिल होंगे चुनिंदा लोग

आमिर खान ने बातचीत के दौरान बताया कि शादी का आयोजन पूरी तरह निजी रखा जाएगा। इसमें सिर्फ वो लोग शामिल होंगे जो दोनों के जीवन में बेहद खास स्थान रखते हैं। एक्टर के अनुसार उनका और गौरी का मानना है कि रिश्तों की खूबसूरती भव्य आयोजनों से नहीं बल्कि अपनेपन और भावनाओं से बढ़ती है। यही वजह है कि दोनों ने एक छोटे लेकिन यादगार समारोह का फैसला किया है, जिसमें परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी ही उनके लिए सबसे बड़ा जश्न होगी।

पहले नहीं थी शादी की जल्दबाजी

आमिर खान ने ये भी स्वीकार किया कि शादी उनकी प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर नहीं थी। हालांकि समय के साथ दोनों के रिश्ते में विश्वास और समझदारी इतनी मजबूत हो गई कि अब उन्हें लगा कि अपने रिश्ते को नया नाम देने का समय आ गया है। एक्टर का कहना है कि वह और गौरी अब अपने रिश्ते को अगले पड़ाव पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और इसी सोच के साथ उन्होंने शादी का फैसला लिया है।

60वें जन्मदिन पर किया था रिश्ते का खुलासा

गौरी स्प्रैट और आमिर खान के रिश्ते की चर्चा लंबे समय से हो रही थी लेकिन एक्टर ने पहली बार अपने 60वें जन्मदिन के मौके पर इस रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया था। इसके बाद से दोनों लगातार चर्चा में बने हुए हैं। रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि के बाद फैंस भी दोनों की शादी को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं और अब हर कोई इस खास दिन का इंतजार कर रहा है।

वैभव सूर्यवंशी की तरह क्या इस खिलाड़ी को मिलेगी टीम इंडिया में एंट्री? 126 गेंदों में ठोका था तिहरा शतक

बिहार क्रिकेट पिछले कुछ समय से लगातार ऐसी युवा प्रतिभाएं सामने ला रहा है जो अपने दमदार प्रदर्शन से पूरे देश का ध्यान खींच रही हैं। हाल ही में 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सुर्खियां बटोरी थीं। अब बिहार महिला क्रिकेट से एक और बेहद हैरान करने वाला और ऐतिहासिक रिकॉर्ड सामने आया है।

अंडर-19 क्रिकेट में बिहार की युवा महिला बल्लेबाज अक्षरा गुप्ता ने महज 126 गेंदों में 306 रनों की अविश्वसनीय तिहरी शतकीय पारी खेलकर भारतीय घरेलू क्रिकेट में तहलका मचा दिया है। अक्षरा गुप्ता की यह पारी न केवल उनके मजबूत हैंड-आई कोऑर्डिनेशन को बताती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि भारत के छोटे शहरों और राज्यों में महिला क्रिकेट का स्तर कितनी तेजी से ऊपर उठ रहा है।

16 गेंदों में फिफ्टी, 34 में जड़ दी सेंचुरी

यह मुकाबला 18 जून को भागलपुर के सैंडिस कंपाउंड स्टेडियम में 'बिहार क्रिकेट एसोसिएशन अंडर-19 वन-डे ट्रॉफी' के दौरान खेला गया। टीम-ए के लिए ओपनिंग करने उतरीं अक्षरा गुप्ता ने मैच की पहली गेंद से ही गेंदबाजों पर कड़ा प्रहार करना शुरू कर दिया। अक्षरा ने मात्र 16 गेंदों में अपना अर्धशतक (50 रन) पूरा किया। उन्होंने गेंदबाजों को संभलने का कोई मौका नहीं दिया और सिर्फ 34 गेंदों में अपना शतक ठोक दिया।

50 ओवरों में बनाए 450 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर

अपनी 306 रनों की मैराथन पारी के दौरान अक्षरा ने मैदान के हर कोने में शॉट लगाए। उनकी इस पारी में कुल 55 चौके और 8 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे, यानी 268 रन उन्होंने सिर्फ बाउंड्री से बनाए। मैदान पर अक्षरा गुप्ता के इस तूफान को दूसरे छोर से सलोनी कुमारी का मजबूत साथ मिला। सलोनी ने सूझबूझ से बल्लेबाजी करते हुए 57 रनों का योगदान दिया। इन दोनों की बेहतरीन साझेदारियों की बदौलत टीम-ए ने निर्धारित 50 ओवरों में 450 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया।

क्या भारतीय महिला टीम में मिलेगी जगह?

451 रनों के इस विशाल और मनोवैज्ञानिक रूप से दबाव वाले लक्ष्य का पीछा करने उतरी विरोधी टीम (टीम-बी) की शुरूआत बेहद खराब रही। टीम-ए के गेंदबाजों के सटीक लाइन-लेंथ के आगे टीम-बी के विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे। पूरी टीम महज 21.3 ओवरों में 121 रनों पर सिमट गई। अक्षरा की टीम-ए ने यह मुकाबला 329 रनों के रिकॉर्ड अंतर से अपने नाम कर लिया। अब ऐसे में फैंस के मन में यह सवाल है कि क्या वैभव की तरह इस महिला खिलाड़ी को भी विमेंस भारतीय टीम में जगह मिलेगी?

वैभव सूर्यवंशी के लिए BCCI ने किए विशेष इंतजाम, श्रीलंका में बवाल के बाद भारतीय बोर्ड ने उठाया बड़ा कदम

वैभव सूर्यवंशी के लिए इउउक ने किए विशेष इंतजाम, श्रीलंका में बवाल के बाद भारतीय बोर्ड ने उठाया बड़ा कदम

भाई को देखकर शुरू किया था क्रिकेट खेलना

मैच के बाद अपनी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बात करते हुए अक्षरा गुप्ता ने बताया कि उन्होंने अपने भाई को मैदान पर खेलते हुए देखकर ही क्रिकेट बैट थामने का फैसला किया था। वे इससे पहले भी अंडर-15 और अंडर-19 स्तर पर बिहार का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। इस पारी से पहले उनका सर्वोच्च स्कोर अंडर-15 में 75 रन और अंडर-19 में 60 रन था। 126 गेंदों में 306 रन की इस अविश्वसनीय पारी के बाद अक्षरा का नाम अब भारत के सबसे रोमांचक उभरते हुए महिला क्रिकेटरों की सूची में शामिल हो गया है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के बीच पसरा मातम! मैच के दौरान गोलकीपर से टक्कर के बाद फुटबॉलर की मौत, सदमे में फैंस

(जीएनएस)।

एक तरफ जहां पूरी दुनिया इस समय फीफा वर्ल्ड कप 2026 के जश्न और रोमांच में डूबी हुई है। वहीं दूसरी तरफ फुटबॉल के मैदान से एक बेहद दर्दनाक और स्तब्ध कर देने वाली खबर सामने आई है। अफ्रीकी देश घाना में आयोजित एक स्थानीय फुटबॉल मैच के दौरान विपक्षी टीम के गोलकीपर से हुई भयानक टक्कर के बाद एक खिलाड़ी की मौत हो गई है। इस दुखद हादसे के बाद से पूरे अंतरराष्ट्रीय खेल समुदाय में शोक की लहर है और सोशल मीडिया पर खेल सुरक्षा को लेकर नई बहस छिड़ गई है।

स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मृतक खिलाड़ी की पहचान इमैनुएल (ऐंल्लठी') के रूप में हुई है। यह घटना तब घटी जब एक स्थानीय टूनामेंट के मैच के दौरान इमैनुएल अपनी टीम की तरफ से गेंद को लेकर विपक्षी गोलपोस्ट की ओर तेजी से बढ़े। इमैनुएल को रोकने के लिए सामने वाली टीम का गोलकीपर भी गोलपोस्ट छोड़कर बेहद आक्रामक तरीके से आगे की ओर दौड़ा।

ऋक्रळ्ठ हङ्क१ ' उ४स्र 1

सिर पर लगी गंभीर चोट

गेंद को हवा में रोकने और इंटरसेप्ट करने के प्रयास में गोलकीपर ने एक ऊंची छलांग लगाई। इस दौरान गोलकीपर का घुटना सीधे दौड़कर आ रहे इमैनुएल के सिर और चेहरे पर बेहद ताकत के साथ जा लगा। घुटने की सीधी और जोरदार टक्कर लगते ही इमैनुएल जमीन पर गिर पड़े और तुरंत अचेत हो गए। मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि उसके तुरंत बाद वहां अफरा-तफरी और चीख-पुकार का माहौल बन गया।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही थम गईं सांसें

हादसे के तुरंत बाद इमैनुएल को इलाज देने का प्रयास किया गया, लेकिन चोट की गंभीरता को देखते हुए वे उससे उबर नहीं सके और उनकी मृत्यु हो गई। सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद खेल प्रेमियों ने गहरा दुख जताया है। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक इमैनुएल की मौत के सटीक कारणों का विवरण देने वाली कोई अंतिम मेडिकल रिपोर्ट जारी नहीं की है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक घाना के फुटबॉल अधिकारियों ने इस संवेदनशील मामले को आगे की निष्पक्ष जांच के लिए संबंधित सुरक्षा और कानूनी अधिकारियों को सौंप दिया है। इस हादसे के सभी तथ्यों को स्थापित करने के लिए पूरी परिस्थितियों की गहन समीक्षा की जा रही है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

3 किलो का दीपक, 34 किलोग्राम से ज्यादा की चांदी कहां गई पता नहीं, राम मंदिर में दान देने वाले अनुराग रस्तोगी का खुलासा

(जीएनएस)।

अयोध्याः राम मंदिर चंदा चोरी मामले की एसआईटी जांच पूरी हो गई है। जल्द ही एसआईटी अपनी रिपोर्ट सीएम योगी आदित्यनाथ को सौंप सकती है। इस बीच, इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के उत्तर भारत के प्रमुख अनुराग रस्तोगी ने सनसनीखेज खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि आज आप लोगों के सामने ये बताना मजबूरी हो गया कि मैंने अपने परिवार की ओर से 3 किलोग्राम चांदी का एक दीपक बनाया और उसको गुप्त दान किया था। गुप्त दान की इजाजत चंपत राय ने ही हमको दी थी। डॉ. अनिल मिश्रा ने वह दीपक जलाया। जब तक नया मंदिर नहीं बना, तब तक वह अखंड ज्योति जलती रही। नया मंदिर बना तो दीपक का कुछ पता नहीं, वह कहां रखा गया है।

हमारी चांदी का नींव में नहीं हुआ इस्तेमाल- अनुराग रस्तोगी

अनुराग रस्तोगी आगे कहा कि मैंने अपने सदस्यों से अपील की थी कि जो भी दान करना चाहे, वह हमें केवल 10 ग्राम चांदी भेजें। हमने इन दानों को इकट्ठा करके भगवान श्री राम के चरणों में अर्पित करने की योजना बनाई थी, ताकि जब नया मंदिर बने और नींव रखी जाए, तो हमारी चांदी उस नींव का हिस्सा हो। देशभर से 10 ग्राम से लेकर 1 किलोग्राम तक लोगों ने हमें चांदी भेजी। 34 किलो 644 ग्राम चांदी इकट्ठा हुई थी। उस चांदी को लेकर हम अयोध्या गए। वहां शशिदास जी महाराज के प्रांगण में उसका भव्य पूजन हुआ। हमने चांदी इस अनुरोध के साथ दी थी कि भूमि पूजन के दौरान इसका उपयोग नींव के काम में किया जाए। हालांकि, जब भूमि पूजन हुआ, तो हमने हर जगह ढूंढा, लेकिन वह चांदी कहीं नहीं मिली

'मुझे मुख्यमंत्री पर पूरा भरोसा है'

उन्होंने कहा कि जब मैंने चांदी जमा की थी, तो मुझे हर चीज की पूरी रसीद मिली थी। मुझे लगता है कि ट्रस्ट ने इसका उचित उपयोग किया होगा, क्योंकि राम मंदिर में कई जगहों पर चांदी का उपयोग किया गया है। मुझे मुख्यमंत्री जी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने एक एसआईटी टीम गठित की है और हमें पंद्रह दिन इंतजार करने को कहा है। 15 में दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। हमें उन पर पूरा विश्वास है। मुझे पूरा यकीन है कि वे ऐसी घटना नहीं होने देंगे।

लोगों की आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए

अनुराग रस्तोगी ने कहा कि पैसा चला जाए कोई बात नहीं है, लेकिन लोगों की आस्था से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। करोड़ों लोगों की आस्था राम मंदिर से जुड़ी हुई है। जो दोषी लोग हैं, उनको जल्द ही सामने लाया जाएगा। कहा कि जो कुछ नए लोग आए, उन्होंने कुछ ऐसा किया, जो पूरा डिपार्टमेंट बदनाम हुआ। अगर एसआईटी को कभी मेरी जरूरत महसूस होती है, तो मैं हमेशा उपलब्ध रहूंगा और मुझसे मांगी गई कोई भी चीज उपलब्ध कराऊंगा।

आरएसएस दफ्तर अटैक केसः आईएसआई चला रही थी 'ऑपरेशन यूपी', लखनऊ में होने वाली थी सीक्रेट मीटिंग, क्या अयोध्या था अगला टारगेट?

रांची के फ्रर दफ्तर में 16 जून की रात पेट्रोल बम फेंका गया. मामले में गिरफ्तार हुए दो आरोपियों ने कई राज उगले हैं. वह पाकिस्तान के हेंडलर्स के संपर्क में थे. आरोपी अमन अंसारी का कहना है कि- लखनऊ में सीक्रेट मीटिंग होने वाली थी. ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों को शक है कि क्या आतंकियों का अगला टारगेट लखनऊ से राम मंदिर अयोध्या जाने का था?

(जीएनएस)।

रांचीः झारखंड में फ्रर दफ्तर पर हुए हमले की जांच में बड़ा खुलासा हुआ. गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी क्रक के कथित 'ऑपरेशन यूपी' और 'ऑपरेशन पंजाब' की बात सामने आई. पूछताछ में आरोपी अमन अंसारी ने बताया कि दुबई से भारत लौटने के बाद उसे पंजाब भेजा गया था. वहां उसे एक 'बॉस' से मिलना था. कुछ दिन पंजाब में रुकने के बाद वह वापस रांची लौट आया. इसके बाद क्रक हैंडलरों की ओर से उसे और उसके साथी सैफ को लखनऊ जाने का ऑर्डर मिला था.

जानकारी के मुताबिक दोनों ट्रेन से कानपुर होते हुए लखनऊ जाने के लिए निकले भी थे, लेकिन कोडरमा में ही रांची पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. जांच एजेंसियों का मानना है कि यदि दोनों लखनऊ पहुंच जाते तो वहां क्रक से जुड़े किसी स्लीपर सेल सदस्य से मुलाकात होती.

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, लखनऊ में होने वाली इस बैठक का मकसद बेहद महत्वपूर्ण हो सकता था. पूछताछ में यह बात सामने आई है कि वहां आरोपियों को कोई बड़ा टास्क सौंपा जाना था. इसी वजह से एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आखिर 'ऑपरेशन यूपी' का वास्तविक उद्देश्य क्या था? जांचकर्ता इस एंगल से भी जांच कर रहे हैं कि कहीं लखनऊ के बाद अयोध्या जाने की कोई योजना तो नहीं थी.

सूत्रों के अनुसार, लखनऊ में सक्रिय संदिग्ध स्लीपर सेल की तलाश में कई स्थानों पर छापेमारी की जा रही है. एजेंसियां उन लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रही हैं जो इस पूरे नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं. जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि फ्रर कार्यालय पर हमले को अंजाम देने के लिए कुल डेढ़ लाख रुपये की डील तय हुई थी. यह रकम तीनों आरोपियों के बीच बांटी जानी थी. शुरूआती भुगतान के तौर पर 10 हजार रुपये दफस्कैनर के जरिए भेजे गए थे. अब एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि भुगतान करने वाला व्यक्ति कौन था और पैसा कहां से आया.

ऑडियो की जांच कर रही सुरक्षा एजेंसियां

सुरक्षा एजेंसियों के हाथ अमन अंसारी और उसके कथित पाकिस्तानी हैंडलर 'राणा साहब' के बीच हुई बातचीत के दो ऑडियो भी लगे हैं. इन ऑडियो में भविष्य में 'बड़ा टास्क' दिए जाने का जिक्र बताया जा रहा है. एजेंसियां ऑडियो की फोरेंसिक जांच कर रही हैं और पूरे मॉड्यूल का पदार्फाश करने में जुटी हैं.

बारिश से पहले फिर धंसा रामपथ, छिपाने के लिए सामने रखे दो डस्टबिन, सड़क निर्माण के कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी को लेकर उठे सवाल

]]

अयोध्या, एक बार फिर रामपथ की सड़क धंसने पर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। लोगों ने इस पर नाराजगी जताई है। आरोप है कि सड़क निर्माण के कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की गई जिसके चलते बार-बार सड़क धंस रही है।

करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित राम पथ एक बार फिर धंस जाने से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। शनिवार को अमानीगंज स्थित जलकल विभाग के पास राम पथ की सड़क अचानक धंस गई, जिससे सीवर लाइन के ऊपर लगभग ढाई फीट गहरा गड्ढा बन गया। घटना के बाद क्षेत्र में आवागमन प्रभावित हुआ और लोगों में नाराजगी देखी गई। वहीं लापरवाही का आलम यह रहा कि धंसी सड़क न दिखे तो उसे डस्टबीन से छुपाने के लिए सड़क पर दो डस्टबीन लगा दिए गए।

बताया जा रहा है कि राज्य सरकार की ओर से लगभग 13 किलोमीटर लंबे राम पथ का निर्माण कराया गया था, लेकिन प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही यह मार्ग लगातार धंसने की घटनाओं के कारण चर्चा में रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण के कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की गई जिसके चलते बार-बार सड़क धंस रही है।

जानकारी के अनुसार यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी राम पथ 12 बार से अधिक बार विभिन्न स्थानों पर सड़क धंस चुकी है। लोगों का कहना है कि पांच वर्ष की निर्धारित आयु पूरी होने से पहले ही सड़क की यह स्थिति निर्माण कार्यों की वास्तविकता को उजागर कर रही है। बारिश शुरू होने से पहले ही सड़क धंसने की घटना ने प्रशासन और निर्माण एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। स्थानीय नागरिकों ने मामले की जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई व स्थायी समाधान की मांग की है।

नीट परीक्षार्थियों के लिए रोडवेज बसों में आज से आधा किराया, गोरखपुर-लखनऊ के बीच लगेंगी 4 अनारक्षित स्पेशल ट्रेन

(जीएनएस)।

लखनऊ। नीट यूजी की 21 जून को होने वाली परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को शुक्रवार मध्यरात्रि के बाद से रोडवेज व सिटी बसों के टिकट में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। सिटी ट्रांसपोर्ट लखनऊ के 22 मार्गों पर ई-सिटी बसों का संचालन करेगा। वहीं, परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल प्रशासन 21 जून को गोरखपुर-लखनऊ-गोरखपुर के मध्य चार अनारक्षित परीक्षा स्पेशल ट्रेनें चलाएगा।

अवध बस डिपो के नोडल सत्यनारायण चौधरी ने बताया, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर परीक्षार्थियों के लिए हेल्पडेस्क बनी है। परीक्षार्थी आसानी से अपने सेंटर से सिटी बसों से पहुंच सकेंगे। क्षेत्रीय प्रबंधक विमल राजन ने बताया, रोडवेज बसों के हर श्रेणियों में किराये में 50 फीसदी की छूट मिलेगी।

चाहे साधारण बस सेवा हो या वातानुकूलित बस सेवा हो। एसी ई सिटी बसों में भी छूट की व्यवस्था रहेगी। इन बसों से सफर करने वाले परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र की एक कापी बस कंडक्टर को देना होगा।

21 जून की रात बारह बजे तक मिलेगी छूट की सुविधा

परीक्षार्थियों को बसों की छूट की सुविधा 21 जून की रात बारह बजे तक मिलेगी। परीक्षार्थी सिटी ट्रांसपोर्ट के हेल्पलाइन नंबर 18001805014 पर संपर्क करके सिटी बसों के संचालन की जानकारी ले सकते है।पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ के जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता के अनुसार, 05007 गोरखपुर से लखनऊ जंक्शन के लिए गोरखपुर से 04:05 बजे चलेगी। खलीलाबाद से 04:56 बजे, बस्ती से 05:22 बजे, बभनान से 05:52 बजे, मनकापुर से 06:22 बजे, गोंडा से 06:55 बजे, करनैलगंज से 07:24 बजे बाराबंकी से 08:38 बजे, बादशाह नगर से 09:20 बजे छूटकर लखनऊ जंक्शन पर 10:00 बजे पहुंचेगी।

05008 लखनऊ से गोरखपुर के लिए लखनऊ जं. से 19:15 बजे चलकर बादशाहनगर से 19:50 बजे चलकर गोरखपुर 01:15 बजे पहचेंगी। 05036 लखनऊ से गोरखपुर के लिए लखनऊ जं. से 04:40 बजे चलेगी। बादशाह नगर से 05:10 बजे चलकर गोरखपुर 10:05 बजे पहुंचेगी।

05035 गोरखपुर से लखनऊ जं. के लिए गोरखपुर से 19:15 बजे चलकर अगले दिन बादशाह नगर 00:32 बजे पहुंचेगी, यहां से छूटकर लखनऊ जं 01:10 बजे पहुंचेगी। इन गाड़ियों में सामान्य द्वितीय श्रेणी के 10 कोच होंगे।

अयोध्या धाम का कायाकल्पः चौरासी कोसी मार्ग का ₹20.64 करोड़ से बदला स्वरूप, अब श्रद्धालुओं को मिलेंगी ये आधुनिक सुविधाएं

(जीएनएस)।

अयोध्या धाम। भगवान श्री राम की पावन नगरी अयोध्या में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और रामभक्तों की सुविधा के लिए योगी सरकार निरंतर बड़े कदम उठा रही है। इसी कड़ी में, चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित छह प्रमुख ऐतिहासिक आश्रमों का व्यापक विकास और सुदृढ़ीकरण कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।

पर्यटन विभाग की इस विशेष पहल के अंतर्गत 20.64 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से इन आश्रमों को सर्वआधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है।

इस परियोजना के पूरे होने से अब लंबी परिक्रमा पर निकलने वाले तीर्थयात्रियों को बेहतर ठहराव, सात्विक खान-पान और शुद्ध पेयजल की उत्तम व्यवस्था सुलभ हो सकेगी।

आंकड़ों में समझिए विकास परियोजना का पूरा खाका

इस पूरी विकास परियोजना को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से धरातल पर उतारा गया है। प्रोजेक्ट से जुड़े महत्वपूर्ण सांख्यिकीय और प्रशासनिक विवरण नीचे दी गई तालिका में स्पष्ट हैंः

परियोजना का मुख्य आयाम

प्रामाणिक प्रशासनिक विवरण

कुल स्वीकृत बजट 20.64 करोड़ रुपये

कार्य प्रारंभ होने की तिथि 3 0 मई 2023

कार्यदायी संस्था : उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कार्पोरेशन लिमिटेड (UPPCL)

परियोजना प्रबंधक (UPPCL अयोध्या) मनोज शर्मा

कालेकल्प किए गए 6 प्रमुख आश्रम 1. श्रवण कुमार आश्रम, 2. आस्तिक आश्रम, 3. ऋषि च्यवन आश्रम, 4. मेधा ऋषि आश्रम, 5. श्री बन्धू बाबा आश्रम, 6. महर्षि बामदेव आश्रम

आस्था और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का अद्भुत संगम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप यह परियोजना आस्था और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का एक अद्भुत उदाहरण बनकर उभरी है। जिन आश्रमों में पहले बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी देखी जाती थी, वहां अब पर्यटन विभाग ने कायाकल्प कर दिया है।

आश्रमों में विकसित की गईं मुख्य जन-सुविधाएंः

विश्राम गृह और शौचालयः यात्रियों के आरामदायक ठहराव के लिए आधुनिक विश्राम गृह और स्वच्छता के उच्च मानकों पर आधारित स्वच्छ शौचालयों का निर्माण किया गया है।

शुद्ध पेयजल और खान-पानः शुद्ध पेयजल प्रणालियों के साथ-साथ स्थानीय और सात्विक भोजन सुनिश्चित करने के लिए विशेष खान-पान की दुकानें तैयार की गई हैं।

सौंदर्यीकरण और स्थापत्यः सभी ६ पावन स्थलों पर भव्य प्रवेश द्वार, मजबूत और कलात्मक स्तंभ तथा आकर्षक साइनेज लगाए गए हैं।

सीटिंग इंटरप्रिटेशन वॉलः परिसर में बैठने की आरामदायक व्यवस्था के साथ-साथ विशेष इंटरप्रिटेशन वॉल बनाई गई है। इसके माध्यम से यहां आने वाले भक्तों को इन पावन स्थलों के पौराणिक, धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व की प्रामाणिक जानकारी आसानी से मिल सकेगी।

'परियोजना को निर्धारित मानकों के अनुसार सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। नवनिर्मित सभी संरचनाएं पूरी तरह से पर्यावरण अनुकूल और पर्यटक-अनुकूल हैं, जो श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम और यादगार बनाएंगी।' झ मनोज शर्मा, परियोजना प्रबंधक, यूपीपीसीएल (अयोध्या)

धार्मिक पर्यटन को मिलेगी नई गति, स्थानीय अर्थव्यवस्था होगी मजबूत

पर्यटन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, अयोध्या धाम पहले से ही भव्य राम मंदिर, हनुमान गढ़ी, नया घाट और अन्य पावन स्थलों के कारण वैश्विक स्तर पर श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है। अब चौरासी कोसी यात्रा पथ का यह सुनियोजित विकास इन आश्रमों को और अधिक आकर्षक बनाएगा, जिससे लंबी परिक्रमा के दौरान थके हुए यात्रियों को संबल मिलेगा।

यह इंफ्रास्ट्रक्चर विकास न केवल श्रद्धालुओं के लिए वरदान साबित होगा, बल्कि अयोध्या की स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती प्रदान करेगा। आश्रमों के आसपास पर्यटन बढ़ने से स्थानीय दुकानदारों, गाइडों, हस्तशिल्पियों और आम नागरिकों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। रामलला की नगरी में आ रहे भक्तों का भी कहना है कि अब आस्था के साथ-साथ बेहतरीन नागरिक सुविधाएं भी जुड़ गई हैं, जिससे अयोध्या धाम की यात्रा का उत्साह और अधिक बढ़ गया है।

अब लखनऊ में होगी आठवें वेतन आयोग की बड़ी बैठक, जानें मीटिंग का पूरा शेड्यूल और मकसद

लखनऊ में 22 और 23 जून 2026 को होने वाली मीटिंग की जानकारी आयोग की वेबसाइट पर पहले ही दी जा चुकी है. इससे पहले दिल्ली सहित कई अन्य जगहों में मीटिंग हो चुकी है.

(जीएनएस)।

वक्त जैसे-जैसे बीतता जा रहा है, वैसे-वैसे आठवें वेतन आयोग को लेकर केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स की बेसब्री भी बढ़ती जा रही है. इस बीच, 8वें केंद्रीय वेतन आयोग की एक बड़ी मीटिंग लखनऊ में होने जा रही है. 8वें वेतन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर पहले दी गई जानकारी के मुताबिक, 22 और 23 जून, 2026 को लखनऊ में अगली बैठक होगी. इसका मकसद उत्तर प्रदेश क्षेत्र में केंद्रीय कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और विभिन्न कर्मचारी यूनियनों से मिलकर उनसे सैलरी रिवीजन, अलाउंस और पेंशन स्ट्रक्चर में सुधारों पर सुझाव लेना है.

बैठक का क्या है एजेंडा?

15 जून, 2026 को मेमोरेंडम जमा करने की अंतिम समय-सीमा समाप्त होने के बाद यह पहली बड़ी बैठक होगी. आयोग की अध्यक्ष रंजना प्रकाश देसाई की अगुवाई में पैनल उत्तर प्रदेश और इसके आसपास के क्षेत्रों में रेलवे, पोस्टल, डिफेंस और इनकम टैक्स विभागों के कर्मचारी यूनियनों से आमने-सामने बात करेगा. इसमें संगठनों द्वारा जमा कराए गए 'यूनिक मेमो आईडी' के प्रस्ताव पर भी चर्चा होगी.

इससे पहले हैदराबाद, दिल्ली, श्रीनगर में भी बैठके हो चुकी हैं. आयोग की इन बैठकों का मकसद हर क्षेत्र के कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति और जमीनी स्तर पर उनकी उम्मीदों का पता लगाना और अपनी रिपोर्ट में उनका जिक्र करना है. लखनऊ के बाद जुलाई में बंगाल, ओडिशा में भी बैठकें होने की उम्मीद है. इन सभी जगहों में कर्मचारी यूनियनों के साथ हुई बैठकों और उनसे मिले सुझावों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसकी सिफारिशें अप्रैल, 2027 तक आ सकती है.

कर्मचारियों की क्या हैं मांगें?

कर्मचारी आठवें वेतन आयोग के तहत 3-4 के बीच फिटमेंट फैक्टर की मांग कर रहे हैं. अगर इसे मंजूरी दे दी जाती है, तो न्यूनतम बेसिक सैलरी 18000 से बढ़कर 50000 के पार पहुंच सकती है.

पेंशन एसोसिएशन द्वारा न्यूनतम पेंशन को अंतिम सैलरी का 67% करने और वरिष्ठ नागरिकों के लिए अतिरिक्त अलाउंसेज को बढ़ाने का प्रस्ताव है.

प्रमोशन और इंक्रीमेंट के नियमों में सुधार की भी मांग है. मौजूदा समय में 30 साल की नौकरी में सिर्फ 3 बार मिलने वाले वित्तीय अपग्रेडेशन को हर 6 साल में करने की मांग उठाई गई है. साथ में 5% इंक्रीमेंट की भी डिमांड है.

किसके हाथ कमीशन की कमान?

आठवें वेतन आयोग की अगुवाई सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई कर रही हैं. इसके अन्य सदस्यों में क्क्ट बैंगलोर के प्रोफेसर पुलक घोष और पंकज जैन (रिटायर्ड क्अर) शामिल हैं, जो मेंबर-सेक्रेटरी के तौर पर काम कर रहे हैं.

इस पैनल को केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों से जुड़े सैलरी स्ट्रक्चर, भत्ते, पेंशन, सर्विस की शर्तों और अन्य संबंधित पहलुओं की समीक्षा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है. पे कमीशन के सबसे अहम पहलुओं में से एक 'फिटमेंट फैक्टर' होता है, जिससे बेसिक पे में बदलाव होता है. अगर पिछले रिकॉर्ड को देखें, तो छठे पे कमीशन ने 1.86 के फिटमेंट फैक्टर, सातवें पे कमीशन ने 2.57 फिटमेंट फैक्टर की सिफारिश की थी. अब सभी की निगाहें आठवें वेतन आयोग के फिटमेंट फैक्टर पर टिकी हुई हैं.

लखनऊ, प्रयागराज समेत 25 जिलों में लू चलने का अलर्ट, एक हफ्ते तक बारिश के आसार नहीं

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी जारी है। मौसम विभाग ने एक हफ्ते तक बारिश नहीं होने की संभावना जताई है।

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश में लू का कहर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार अभी अगले एक हफ्ते तक गर्म हवाओं का दौर बना रहेगा। कम से कम एक हफ्ते तक बारिश की संभावना नहीं है। दो दिन में एक से दो डिग्री तक तापमान में बढ़ोत्तरी हो सकती है। कहीं-कहीं हल्की बारिश के आसार भी हैं। लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी समेत 25 जिलों में लू चलने का यलो अलर्ट जारी हुआ है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरि ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार से लखनऊ में भी लू का असर दिखाई देगा। लखनऊ में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री और न्यूनतम 29.8 डिग्री दर्ज किया गया।

बांदा रहा सबसे गर्म जिला

शुक्रवार को बांदा 43.2 डिग्री के साथ पूरे यूपी में सबसे गर्म स थान दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, पूर्वी यूपी के जिलों में दिन का तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री तक ऊपर चल रहा है। राहत की बात यह है कि आगामी 20 जून तक तापमान में 2 से 4 डिग्री तक गिरावट आ सकती है। रात के तापमान में सामान य से 1 से 3 डिग्री तक बढ़ो तरी देखी जा रही है। इसकी वजह से रात के समय उमस और गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है।

23 जून तक आ सकता है मॉनसून

मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि यानी 23 जून तक यूपी में मॉनसून का इंतजार खत्म हो सकता है। हाल के दिनों में मॉनसून की गति धीमी हो गई है क्योंकि अरब सागर से नमी का प्रवाह कमजोर पड़ गया है। उत्तर पश्चिम भारत में गर्म और शुष्क हवाओं का प्रभाव बना हुआ है। आने वाला पश्चिमी विक्षोभ शुष्क हवाओं के असर को कम करेगा। इससे पूरे उत्तरी क्षेत्र में नमी में सुधार होगा जिससे यह पैटर्न बदल सकता है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र अंतर्गत किलोमीटर संख्या 252 के पास भीषण सड़क हादसा, बाइक सवार दो लोगों की मौत

(जीएनएस)।

उन्नावः आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई. यह दुर्घटना बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 252 के पास हुई है. फिलहाल पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुट गई है.

जानकारी के अनुसार, दोनों लोग मोटरसाइकिल से राजस्थान के धौलपुर से लखनऊ की ओर जा रहे थे. इसी दौरान एक तेज रफ्तार अज्ञात बोलेरो वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी. इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

बेहटा मुजावर थाना प्रभारी राजकुमार के अनुसार, मृतकों की पहचान गोपाल सिंह (48 वर्ष) पुत्र खबरीराम और शिवा सिंह (19 वर्ष) निवासी ग्राम कैलाशपुरा, थाना मनिया, जिला धौलपुर, राजस्थान के रूप में हुई है. दोनों गंभीर रूप से घायल अवस्था में सड़क पर पड़े थे. पुलिस और यूपीडा की सहायता से दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बांगरमऊ पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया.

उन्होंने कहा कि बताया जा रहा है कि दोनों किसी कार्य से लखनऊ की ओर जा रहे थे, तभी रास्ते में हादसे का शिकार हो गए. घटना के बाद बोलेरो चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया. पुलिस अज्ञात वाहन और चालक की तलाश में जुट गई है. एक्सप्रेसवे पर लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि दुर्घटना करने वाले वाहन की पहचान की जा सके.

पुलिस ने परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है. परिवार के सदस्य राजस्थान से उन्नाव के लिए रवाना हो गए हैं. फिलहाल पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्रवाई शुरू कर दी है. शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है. पुलिस का कहना है कि परिजनों की तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

मुख्यमंत्री योगी के हाथों सम्मान पाकर खिल उठे चेहरे, योजनाओं के लाभार्थियों को सौंपे चेक, चाबी और स्वीकृति पत्र

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों सम्मान पाकर लाभार्थियों के चेहरे खिल उठे। मुख्यमंत्री योगी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, चाबी, स्वीकृति पत्र, आयुष्मान कार्ड आदि प्रदान किया। मुख्यमंत्री के हाथों पुरस्कृत होने वाले लाभार्थी...

संदीप- मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 4.50 लाख रुपए का चेक व ट्रैक्टर की चाबी

सत्येंद्र- मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 4.95 लाख रुपए का चेक व ट्रैक्टर की चाबी

मोहिनी पटेल- यूपी बोर्ड में हाईस्कूल में जनपद में प्रथम स्थान पाने वाली को प्रमाण पत्र व 5000 रुपए का चेक

आशी यागिक- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत 7000 रुपए का स्वीकृति पत्र

नंदिनी- आंगनबाड़ी कार्यकत्री- स्मार्ट फोन

कुसुम- मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत चाबी

अंगूरी देवी- मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत चाबी

फूल सिंह- पर ड्राप मोर क्रॉप योजना के तहत 1.59 लाख रुपए से अधिक का स्वीकृति पत्र

जाहर सिंह- पर ड्राप मोर क्रॉप योजना के तहत 1.17 लाख रुपए से अधिक का स्वीकृति पत्र

आलोक जैन - एफपीओ 10 लाख रुपए का स्वीकृति पत्र

रीना/गीता- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत (स्वयं सहायता समूहों को आरएफ व सीआईएफ) के तहत 4.24 करोड़ रुपए से अधिक का चेक

यमुना- विद्युत सखी को प्रमाण पत्र

भानु कुंवर- बीसी सखी को प्रमाण पत्र।

लखनऊ से सीतापुर रेफर हो रहे हेपेटाइटिस के मरीज

(जीएनएस)।

सीतापुर। लखनऊ के केजीएमयू से हेपेटाइटिस का इलाज कराने वाले मरीज सीतापुर लौटाए जा रहे हैं। कारण यह है वहां जांच किट का अभाव है। इससे यह मरीज जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। रोजाना 10 से 12 मरीजों के वायरल लोड की जांच सीतापुर में हो रही है।

जिला अस्पताल में हेपेटाइटिस की जांच व दवा की निशुल्क सुविधा उपलब्ध है। इसके बाद भी तमाम मरीज सीतापुर के बजाय सीधे केजीएमयू लखनऊ से इलाज कराना पसंद करते हैं। इस समय केजीएमयू में किट की किल्लत है। इससे यह मरीज सीतापुर जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। यहां मरीजों का पहले वायरल लोड टेस्ट किया जाता है। इसके बाद रिपोर्ट के आधार पर दवाएं दी जाती हैं।

जिला अस्पताल में हेपेटाइटिस के मरीजों का इलाज करने वाली डॉ. स्वस्ति वाजपेयी ने बताया कि एक सप्ताह से केजीएमयू में दिक्कत है। सीतापुर के मरीजों को वहां से सीधे जिला अस्पताल रेफर किया जा रहा है। जिला अस्पताल के माध्यम से ही अब जांच व इलाज की पूरी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इससे अस्पताल में मरीजों की भीड़ बढ़ गई है।

मई में मिले थे 110 मरीज

जिले में हेपेटाइटिस का संक्रमण तेजी से फैल रहा है। बेहटा का सोनसरी व बिसवां विकासखंड के जहांगीराबाद गांव में हेपेटाइटिस के एक साथ कई मरीज मिलने के बाद लोगों में जागरूकता बढ़ी है। मई की बात की जाए तो जिला अस्पताल की जांच में 110 लोग हेपेटाइटिस संक्रमित मिले थे। हालांकि यह मरीज एक जगह के न होकर लहरपुर, खैराबाद, एलिया, बिसवां, महोली, तंबौर, सिधौली सहित अन्य इलाकों के थे। इन सभी की जांच करने के बाद इलाज शुरू हो गया है। जून में भी 70 मरीज सामने आ चुके हैं।

सीतापुर में है बेहतर सुविधा

सीतापुर में हेपेटाइटिस के इलाज सुविधा बेहतर तरीके से चल रही है। सीएचसी व जिला अस्पताल में जांच की सुविधा उपलब्ध है। जांच में मरीज सामने आने के बाद उनका पूरा इलाज किया जा रहा है।

डॉ. दीपेंद्र वर्मा, जिला सर्विलांस अधिकारी

भारत ही नहीं, चीन के साथ भी है नेपाल का सीमा विवाद! विदेश मंत्री शिशिर खनाल के बयान से मची खलबली

(जीएनएस)।

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने संसद में सरकार की विदेश नीति और प्राथमिकताओं पर बड़ा बयान दिया। भारत और चीन के हालिया दौरों के बाद उन्होंने कहा कि सरकार फिलहाल बॉर्डर मैनेजमेंट, विदेशों में रह रहे नेपाली नागरिकों की सुरक्षा और आर्थिक कूटनीति पर सबसे ज्यादा फोकस कर रही है।

खानाल ने माना कि नेपाल का सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि चीन के साथ भी कुछ इलाकों में सीमा विवाद है, जिनके समाधान के लिए बजट रखा गया है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता बनी हुई है।

भारत और चीन दौरे से दिखी संतुलित विदेश नीति

विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने 5 से 7 जून के बीच भारत और 14 से 17 जून के बीच चीन का दौरा किया। दोनों पड़ोसी देशों के इतने कम अंतराल में किए गए दौरे को नेपाल की बैलेंस्ड फॉरेन पॉलिसी का संकेत माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि नई सरकार बनने के बाद यह काठमांडू की एक अहम डिप्लोमैटिक उपलब्धि है। नेपाल एक तरफ भारत के साथ पारंपरिक रिश्तों को मजबूत करना चाहता है, वहीं दूसरी तरफ चीन के साथ भी सहयोग बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रहा है।

भारत-नेपाल सीमा पर फिर शुरू हुआ सर्वे और निगरानी कार्य

संसद में खनाल ने बताया कि भारत-नेपाल सीमा पर लंबे समय से रुका हुआ बॉर्डर पिलर पुनर्निर्माण और सीमा रिकॉर्डिंग का काम दोबारा शुरू हो गया है। दोनों देशों की तकनीकी टीमें जमीनी स्तर पर सर्वे और निरीक्षण कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्र में मौजूद 'दसगजा' यानी नो-मैन्स-लैंड की निगरानी और सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। नेपाल चाहता है कि सीमा से जुड़े मुद्दों को बातचीत और तकनीकी सहयोग के जरिए हल किया जाए ताकि भविष्य में किसी तरह का विवाद पैदा न हो।

चीन के साथ भी मौजूद हैं कुछ सीमा विवाद

खनाल ने संसद में स्वीकार किया कि नेपाल और चीन के बीच भी कुछ इलाकों में सीमा संबंधी विवाद मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि इन मामलों के समाधान के लिए सरकार ने विशेष बजट का प्रावधान किया है। विदेश मंत्री के अनुसार चीन सीमा पर निगरानी भारत सीमा की तुलना में कम सक्रिय रहती है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में स्थानीय स्तर के विवाद सामने आते रहे हैं। सरकार ने ऐसे मामलों की जांच, सर्वे और समाधान प्रक्रिया को तेज करने के लिए अतिरिक्त फंड उपलब्ध कराने का फैसला किया है।

विदेशों में काम कर रहे नेपाली नागरिकों की सुरक्षा पर जोर

विदेश मंत्री ने कहा कि विदेशों में रोजगार के लिए गए नेपाली नागरिकों की सुरक्षा सरकार की प्रमुख चिंता है। खासकर वे लोग जो बिना वैध लेबर परमिट के विदेश पहुंच जाते हैं, उनकी मदद करना सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है। उन्होंने बताया कि कई बार कंपनियां मृत कर्मचारियों के शव को वापस भेजने में मदद नहीं करतीं, ऐसे मामलों में फॉरेन एम्प्लॉयमेंट बोर्ड सहायता दे सकता है। हालांकि अवैध तरीके से विदेश गए लोगों के मामलों में कानूनी और वित्तीय समस्याएं अधिक होती हैं।

आर्थिक कूटनीति और इमरजेंसी फंड पर सरकार का फोकस

खनाल ने घोषणा की कि विदेशों में संकट में फंसे नेपाली नागरिकों की मदद के लिए अगले वित्त वर्ष में 15 करोड़ नेपाली रुपये का इमरजेंसी फंड प्रस्तावित किया गया है। इसके अलावा सरकार आर्थिक कूटनीति को मजबूत करने के लिए देश-विशेष रणनीतियां तैयार कर रही है। नेपाल अब विदेशी निवेश (FDI), अनुदान और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहयोग के लिए स्पष्ट लक्ष्य तय करेगा। विदेश मंत्री ने यह भी बताया कि ईरान और यूक्रेन में फंसे नेपाली नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए लगातार कूटनीतिक प्रयास जारी हैं और सरकार इस मुद्दे पर सक्रिय रूप से काम कर रही है।

ईरान के बाद एक और देश पर चढ़ाई की तैयारी में ट्रंप

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को लेकर ऐसा बयान दिया है, जिसने दुनिया की नजरें एक बार फिर कैरेबियन क्षेत्र पर टिका दी हैं। एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि क्यूबा में भी वेनेजुएला जैसी सैन्य कार्रवाई "संभव" है। हालांकि उन्होंने किसी सीधी कार्रवाई का ऐलान नहीं किया, लेकिन उनके बयान ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

ट्रंप ने क्यूबा की लोकेशन, समुद्री तटों और अमेरिका के करीब होने का जिक्र करते हुए कहा कि यह मामला अमेरिका के लिए काफी अहम है। इस बयान के बाद सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक चर्चा तेज हो गई है। इसी वजह से यह बयान तेजी से चर्चा का विषय बन गया।

ये भी पढ़ें: ळ१४स्र अस्र्स्र१ङ्क५' फ्३ल्लॅः ट्रंप को लगा झटका! गद्दी से हटने के 10 साल बाद भी ओबामा सबसे लोकप्रिय, सर्वे में दावा

ट्रंप ने क्या कहा और क्यों मचा बवाल?

इंटरव्यू के दौरान जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या क्यूबा में भी वेनेजुएला जैसी सैन्य कार्रवाई हो सकती है, तो उन्होंने कहा कि 'यह संभव है'। इसके बाद उन्होंने क्यूबा और वेनेजुएला की तुलना करते हुए कहा कि वेनेजुएला के पास तेल है, जबकि क्यूबा के पास शानदार समुद्री तट और अच्छी प्रॉपर्टी है। ट्रंप के इस बयान को कई लोगों ने सिर्फ एक टिप्पणी नहीं बल्कि संभावित रणनीतिक संकेत के रूप में देखा है।

क्यूबा की लोकेशन को लेकर ट्रंप का तर्क

ट्रंप ने अपने बयान में क्यूबा की भौगोलिक स्थिति पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्यूबा अमेरिका के बेहद करीब है और यही उसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनाता है। ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला भी अमेरिका के नजदीक है, लेकिन क्यूबा तो लगभग पड़ोस में है। उन्होंने ईरान का उदाहरण देते हुए कहा कि वह काफी दूर है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप का यह बयान बताता है कि अमेरिका अपने आसपास के क्षेत्र को लेकर ज्यादा संवेदनशील रहता है।

क्या अमेरिका सैन्य विकल्पों पर विचार कर रहा है?

रिपोर्टों के अनुसार ट्रंप प्रशासन के भीतर क्यूबा को लेकर अलग-अलग विकल्पों पर चर्चा हुई है। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि सैन्य विकल्पों को भी समीक्षा के दायरे में रखा गया है। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों ने साफ किया है कि फिलहाल किसी तत्काल सैन्य कार्रवाई की योजना नहीं है। इसके बावजूद ट्रंप के बयान ने अटकलों को बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका अक्सर दबाव बनाने के लिए ऐसे विकल्प खुले रखता है ताकि कूटनीतिक बातचीत में उसे बढ़त मिल सके।

मार्को रुबियो की भूमिका पर क्या बोले ट्रंप?

ट्रंप ने इंटरव्यू में विदेश मंत्री मार्को रुबियो का नाम भी लिया। उन्होंने कहा कि रुबियो क्यूबा से जुड़े मामलों में अहम भूमिका निभाएंगे। ट्रंप के मुताबिक क्यूबा बातचीत करना चाहता है और आने वाले समय में दोनों देशों के बीच संपर्क बढ़ सकता है। रुबियो लंबे समय से क्यूबा की सरकार के आलोचक रहे हैं और सख्त नीति के समर्थक माने जाते हैं। ऐसे में उनका सक्रिय होना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि अमेरिका क्यूबा पर दबाव की रणनीति जारी रख सकता है।

पहले से तनावपूर्ण हैं अमेरिका-क्यूबा संबंध

अमेरिका और क्यूबा के रिश्ते पिछले कई दशकों से उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने अपने पहले कार्यकाल में भी क्यूबा पर कई प्रतिबंध लगाए थे। हाल के महीनों में भी हवाना सरकार पर दबाव बढ़ाने के लिए नए कदम उठाए गए हैं। दूसरी ओर क्यूबा लगातार अमेरिका पर उसके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाता रहा है। ऐसे माहौल में ट्रंप का नया बयान दोनों देशों के बीच तनाव को और बढ़ाने वाला माना जा रहा है।

'धर्मेंद्र प्रधान वायरस है', कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन में बोले अभिजीत, 'इस्तीफा सिर्फ ट्रेलर, पिक्चर बाकी'

(जीएनएस)।

NEET पेपर लीक और छात्रों की आत्महत्या के मुद्दे पर दिल्ली का जंतर-मंतर शनिवार (20 जून) को एक बार फिर छात्र राजनीति और विरोध प्रदर्शन का केंद्र बन गया।

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने अपने दूसरे बड़े प्रदर्शन में केंद्र सरकार और शिक्षा व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को लेकर विवादित टिप्पणी की और कहा कि शिक्षा व्यवस्था में एक "वायरस" फैल चुका है, जिसे खत्म करना जरूरी है। अभिजीत दीपके का कहना है कि 'जब तक धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देंगे, तब तक वो प्रदर्शन स्थल से जाएंगे नहीं।'

नाम का वायरस है।" दिपके ने दिल्ली में अपने उखढ के दूसरे प्रोटेस्ट में भी इसी तरह का थाली चम्माच प्रदर्शन बुलाया है।"

थाली-चम्मच के साथ उतरे छात्र

प्रदर्शन शुरू होने से पहले अभिजीत दीपके ने समर्थकों से थाली और चम्मच लेकर आने की अपील की थी। दोपहर 1 बजे शुरू हुए आंदोलन में बड़ी संख्या में छात्र और युवा पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने थाली बजाकर विरोध जताया और शिक्षा मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की।

दीपके ने मंच से कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान थाली-चम्मच बजाने के अभियान का जिक्र करते हुए तंज कसा। उन्होंने कहा कि जैसे उस समय कंपन पैदा करने की बात की गई थी, वैसे ही अब शिक्षा व्यवस्था की समस्याओं के खिलाफ आवाज उठाने की जरूरत है।

अभिजीत दीपके ने कोरोना लॉकडाउन के दौरान हुए "थाली चम्माच" पीटने को याद किया। मजाक उड़ाते हुए उन्होंने कहा,"वाइब्रेशन कोरोना वायरस से पैदा होते हैं। इसलिए मेरे दोस्तों ने एक नया आविष्कार किया, उन्होंने कहा कि एजुकेशन सिस्टम पर धर्मेंद्र प्रधान

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा सिर्फ ट्रेलर...असली पिक्चर बाकी

विरोध प्रदर्शन में शामिल प्रदर्शनकारी ने कहा, "धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा सिर्फ ट्रेलर है, असली पिक्चर बाकी है। मूवी में ये होगा कि देशभर में आपको इस तरह के विरोध प्रदर्शन देखने को मिलेंगे। देश के अंदर आपको युवा सड़कों पर दिखेगा। जब तक हम इस्तीफा नहीं ले लेते, हम पीछे हटने वाले नहीं हैं। सरकार हर बार सॉरी बोलती है। हर बार गला काटने के बाद सॉरी नहीं बोला जाता है।"

क्या इस्तीफे के बाद ये प्रदर्शन रूक जाएगा? इसपर प्रदर्शनकारी ने कहा,

"इस्तीफे के बाद बम सरकार की अन्य कमियों पर सवाल उठाएंगे कि पूरा सिस्टम ठीक करो। इस सरकार को अपना पूरा सिस्टम ठीक करना होगा।"

CJP लगातार NEET पेपर लीक मामले को लेकर सरकार को घेर रही है। संगठन का आरोप है कि परीक्षा प्रणाली में बार-बार सामने आ रही गड़बड़ियों ने लाखों छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया है। प्रदर्शन के दौरान कई युवाओं ने कहा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा उनकी मांगों की शुरूआत भर है।

एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि "इस्तीफा केवल ट्रेलर है, असली लड़ाई पूरे सिस्टम में बदलाव की है।" उनका कहना था कि जब तक परीक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं होगा, आंदोलन जारी रहेगा।

प्रदर्शन में NEET से जुड़े उन छात्रों के पोस्टर भी लगाए गए, जिन्होंने हाल के दिनों में आत्महत्या की। अभिजीत दीपके ने दावा किया कि पिछले 38 दिनों में NEET और परीक्षा तनाव से जुड़े 14 छात्र-छात्राओं ने जान गंवाई है। उन्होंने कहा कि री-एग्जाम कराना समाधान नहीं है, बल्कि छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और परीक्षा व्यवस्था की खामियों पर गंभीरता से काम करने की जरूरत है।

राहुल गांधी समेत नेताओं से समर्थन की मांग

दीपके ने विपक्षी नेता राहुल गांधी सहित सभी राजनीतिक दलों से छात्रों के समर्थन में खुलकर आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि जो भी नेता युवाओं के भविष्य को लेकर चिंतित हैं, उन्हें इस मुद्दे पर राजनीति से ऊपर उठकर आवाज उठानी चाहिए।

दिल्ली से पहले उखढ पुणे, लखनऊ, जयपुर, नागपुर, अमृतसर, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे शहरों में भी प्रदर्शन कर चुकी है। संगठन का दावा है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आने वाले दिनों में देशभर में बड़े स्तर पर आंदोलन चलाया जाएगा।

जनरल बोगी में सीट को लेकर हुआ विवाद, यात्री की पीट-पीटकर हत्या

(जीएनएस)।

दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के दौरान हुआ एक मामूली विवाद एक व्यक्ति की मौत की वजह बन गया। हरिद्वार जाने वाली योगा एक्सप्रेस की जनरल बोगी में चढ़ने को लेकर यात्रियों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गई।

इस दौरान उत्तर प्रदेश के बागपत निवासी पंकज धामा को कुछ सह-यात्रियों ने बेरहमी से पीट दिया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें फ्छक्र जवान बीच-बचाव करते नजर आ रहे हैं। गंभीर रूप से घायल पंकज को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जनरल कोच में चढ़ने के दौरान शुरू हुआ विवाद

यह घटना सुबह करीब 6 बजे शाहदरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर हुई। योगा एक्सप्रेस के पहुंचते ही जनरल कोच में सीट और जगह पाने के लिए यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। इसी दौरान पंकज धामा का कुछ यात्रियों से विवाद हो गया। शुरूआत में केवल बहस और धक्का-मुक्की हुई, लेकिन कुछ ही मिनटों में मामला मारपीट तक पहुंच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गुस्साए यात्रियों ने पंकज को नीचे गिराकर लात-घूंसों से हमला कर दिया।

वायरल वीडियो ने उठाए सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दिखाई देता है कि एक फ्छक्र कांस्टेबल ने पंकज को भीड़ से छुड़ाने की कोशिश की। इसके बाद उन्हें प्लेटफॉर्म पर लिटाया गया, लेकिन उनकी हालत पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया। वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने सवाल उठाए हैं कि घायल व्यक्ति को तुरंत मेडिकल मदद क्यों नहीं दी गई। कई लोगों का मानना है कि समय पर इलाज मिलता तो शायद उनकी जान बच सकती थी।

अस्पताल पहुंचने से पहले बिगड़ चुकी थी हालत

मारपीट के बाद पंकज की हालत लगातार खराब होती गई। सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। पंकज को तुरंत जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुरूआती मेडिकल रिपोर्ट में सामने आया कि उनके शरीर के अंदर गंभीर चोटें आई थीं। डॉक्टरों के मुताबिक इन्हीं अंदरूनी चोटों की वजह से उनकी मौत हुई। मामले ने रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर नई बहस शुरू कर दी है।

पुलिस ने दर्ज किया केस, आरोपियों की तलाश जारी

नई दिल्ली रेलवे के डीसीपी सचिन शर्मा के अनुसार मामले में भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 105 और 3(5) के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस स्टेशन और प्लेटफॉर्म पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इसके अलावा वायरल वीडियो की भी जांच की जा रही है ताकि मारपीट में शामिल लोगों की पहचान हो सके। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा और घटना में किसी की भूमिका पाई गई तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होगी।